7. नीतिश्लोकाः

अयं पाठः सुप्रसिद्धस्य ग्रन्थस्य महाभारतस्य उद्योगपर्वणः अंशविशेष (अध्यायाः 33-40) रूपायाः विदुरनीतेः संकलितः। युद्धम् आसन्नं प्राप्य धृतराष्ट्रो मन्त्रिप्रवरं विदुरं स्वचित्तस्य शान्तये कांश्चित् प्रश्नान् नीतिविषयकान् पृच्छति।

यह पाठ सुप्रसिद्ध ग्रन्थ महाभारत के उधोगपर्व के अंश विशेष (अध्याय 33-40) रूप में विदुरनीति से संकलित है। युद्ध निकट पाकर धृतराष्ट्र ने मंत्री श्रेष्ठ विदुर को अपने चित की शन्ति के लिए कुछ प्रश्न पुछे।

तेषां समुचितमुत्तरं विदुरो ददाति। तदेव प्रश्नोत्तररूपं ग्रन्थरत्नं विदुरनीतिः। इयमपि भगवद्गीतेव महाभारतस्यङ्गमपि स्वतन्त्रग्रन्थरूपा वर्तते।

पूछे गये प्रश्नों का उत्तर विदुरनीति देते हैं। वहीं प्रश्नोत्तर रूप ग्रन्थरत्न विदुरनीति है। यह भी भागवत् की तरह महाभारत का अंग स्वतंत्र ग्रन्थ रूप में है।

यस्य कृत्यं न विघ्नन्ति शीतमुष्णं भयं रतिः।
समृद्धिरसमृद्धिर्वा स वै पण्डित उच्यते।। 1।।

जिसके कर्म को शर्दी, गर्मी, भय, भावुकता, समपन्नता अथवा विपन्नता बाधा नहीं डालता है, उसे ही पंडित कहा गया है।

तत्वज्ञः सर्वभूतानां योगज्ञः सर्वकर्मणाम् ।
उपायज्ञो मनुष्याणां नरः पण्डित उच्यते ।। 2।।

सभी जीवों के आत्मा के रहस्य को जानने वाले, सभी कर्म के योग को जानने वाले और मनुष्यों में उपाय जानने वाले व्यक्ति को पंडित कहा जाता है।

अनाहूतः प्रविशति अपृष्टो बहुभाषते ।
अविश्वस्ते विश्वसिति मूढचेता नराधमः ।। 3।।

जो व्यक्ति बिना बुलाए किसी के यहाँ जाता है, बिना पूछे बोलता है और अविश्वासीयों पर विश्वास कर लेता है, उसे मुर्ख कहा गया है।

एको धर्मः परं श्रेयः क्षमैका शान्तिरुत्तमा।
विद्यैका परमा तृप्तिः अहिंसैका सुखावहा ।। 4।।

एक ही धर्म सबसे श्रेष्ठ है। क्षमा शांति का उतम उपाय है। विद्या से संतुष्टि प्राप्त होती है और अहिंसा से सुख प्राप्त होती है।

त्रिविधं नरकस्येदं द्वारं नाशनमात्मनः ।

कामः क्रोधस्तथा लोभस्तस्मादेतत् त्रयं त्यजेत् ।। 5 ।।

नरक के तीन द्वार है- काम, क्रोध और लोभ। इसलिए इन तीनों को त्याग देना चाहिए।

षड् दोषाः पुरुषेणेह हातव्या भूतिमिच्छता ।

निद्रा तन्द्रा भयं क्रोध आलस्यं दीर्घसूत्रता ।। 6 ।।

एश्वर्य चाहने वाले व्यक्ति को निद्रा ;अधिक सोनाद्धए तन्द्रा ;उंघनाद्धए डर, क्रोध, आलस्य और किसी काम को देर तक करना। इन छः दोषों को त्याग देना चाहिए।

सत्येन रक्ष्यते धर्मो विद्या योगेन रक्ष्यते ।

मृजया रक्ष्यते रूपं कुलं वृत्तेन रक्ष्यते ।। 7।।

सत्य से धर्म की रक्षा होती है। अभ्यास से विद्या की रक्षा होती है। श्रृंगार से रूप की रक्षा होती है। अच्छे आचरण से कुल ;परिवारद्ध की रक्षा होती है।

सुलभाः पुरुषा राजन् सततं प्रियवादिनः ।

अप्रियस्य तु पथ्यस्य वक्ता श्रोता च दुर्लभः ।। 8।।

हे राजन! सदैव प्रिय बोलने वाले और सुनने वाले पुरूष आसानी से मिल जाते हैं, लेकिन अप्रिय ही सही उचित बोलने वाले कठिन है।

पूजनीया महाभागाः पुण्याश्च गृहदीप्तयः ।

स्त्रियः श्रियो गृहस्योक्तास्तस्माद्रक्ष्या विशेषतः ।। 9।।

स्त्रियाँ घर की लक्ष्मी होती हैं। इन्ही से परिवार की प्रतिष्ठा बढ़ती है। यह महापुरूषों को जन्म देनेवाली होती है। इसलिए स्त्रियाँ विशेष रूप से रक्षा करने योग्य होती है।

अकीर्तिं विनयो हन्ति हन्त्यनर्थं पराक्रमः ।

हन्ति नित्यं क्षमा क्रोधमाचारो हन्त्यलक्षणम् ।। 10।।

विनम्रता बदनामी को दुर करती है, पौरूष या पराक्रम अनर्थ को दुर करता है, क्षमा क्रोध को दुर करता है और अच्छा आचरण बुरी आदतों को दुर करता है।

1. पण्डित किसे कहा गया है ? पठित पाठ के आधार पर स्पष्ट करें।

उत्तर- महात्मा विदुर ने पण्डित की व्याख्या बड़े ही रोचक ढंग से की है। उनके मतानुसार पण्डित का अभिप्राय ब्राह्मण या विद्वान से नहीं है। धर्म एवं कर्म प्रवचनीय पण्डित सर्वत्र नहीं होते हैं। जिसका कार्य शीत, ऊष्ण, भय, प्रेम समृद्धि अथवा असमृद्धि में बाधा नहीं पहुँचाता है वही पण्डित है। सभी जीवों के तत्व को जानने वाला, अपने कर्म को योग की तरह जानने वाला ही पण्डित है।

2. नीच मनुष्य कौन है ? पठित पाठ के आधार पर स्पष्ट करें।

उत्तर- नीच मनुष्य का अभिप्राय निम्न जाति में जन्म लेने वाले से नहीं है। सत् और असत् कर्मों में संलग्न रहने वाला मनुष्य भी नीच की श्रेणी में नहीं आता है। जो बिना बुलाये हुए किसी सभा में प्रवेश करता है, बिना पूछे हुए बहुत बोलता है. नहीं विश्वास करने पर भी बहुत विश्वास करता है। ऐसा पुरुष ही नीच श्रेणी में आता है।

3.नीतिश्लोकाः पाठ का पाँच वाक्यों में परिचय दें।

उत्तर- इस पाठ में व्यासरचित महाभारत के उद्योग पर्व के अन्तर्गत आठ अध्यायों की प्रसिद्ध विदुरनीति से संकलित दस श्लोक हैं । महाभारत युद्ध के आरंभ में धृतराष्ट्र ने अपनी चित्तशान्ति के लिए विदुर से परामर्श किया था । विदुर ने उन्हें स्वार्थपरक नीति त्याग कर राजनीति के शाश्वत पारमार्थिक उपदेश दिये थे । इन्हें "विदुरनीति" कहते हैं। इन श्लोकों में विदुर के अमूल्य उपदेश भरे हुए हैं।

4. 'नीतिश्लोकाः' पाठ के आधार पर स्त्रियों को क्या विशेषताएँ हैं ?

उत्तर- स्त्रियाँ घर की लक्ष्मी हैं। ये पूजनीया तथा महाभाग्यशाली हैं। ये पुण्यमयी और घर को प्रकाशित करनेवाली कही गई हैं। अतएव स्त्रियाँ विशेष रूप से रक्षा करने योग्य होती हैं।

5. उन्नति की इच्छा रखनेवाले मनुष्यों को क्या करना चाहिए ?

उत्तर- उन्नति की इच्छा रखनेवाले मनुष्यों को निद्रा (अधिक सोना) तथा तंद्रा (ऊँघना) को त्याग देना चाहिए । इतना ही नहीं भय, क्रोध, आलस्य और काम को टालने की आदत को भी सदा के लिए छोड़ देना चाहिए । नीतिश्लोकाः पाठ में महात्मा विदुर का कथन है कि ये छः दोष अवश्य ही छोड़ देना चाहिए ।

6. 'नीतिश्लोकाः' पाठ के आधार पर सुलभ और दुर्लभ कौन है ?

उत्तर- सदा प्रिय बोलनेवाले, अर्थात जो अच्छा लगे वही बोलनेवाले मनुष्य सुलभ हैं। अप्रिय और जीवन को सही मार्ग पर ले जानेवाले वचन बोलने वाले तथा सुनने वाले मनुष्य दोनों ही प्रायः दुर्लभ हैं।

7. 'नीतिश्लोकाः' पाठ से हमें क्या संदेश मिलता है ?

उत्तर- 'नीतिश्लोकाः' पाठ महात्मा विदुर-रचित 'विदुर-नीति' ग्रंथ से उद्धृत है। इस ग्रंथ में महाभारत तथा भागवत गीता में समान चित्त को शांत करनेवाला आध्यात्मिक श्लोक है। इन श्लोकों में जीवन के यथार्थ पक्ष का वर्णन किया गया है। इससे संदेश मिलता है कि सत्य ही सर्वश्रेष्ठ है। सत्य मार्ग से कदापि विचलित नहीं होना चाहिए।

8. 'नीतिश्लोकाः' पाठ से हमें क्या शिक्षा मिलती है ?

उत्तर- विदुर-नीति ग्रंथ से नीतिश्लोकाः पाठ उद्धृत है। इसमें महात्मा विदुर मन को शांत करने के लिए कुछ श्लोक लिखे हैं । इन श्लोकों से हमें यह शिक्षा मिलती है कि सांसारिक सुख क्षणिक और आध्यात्मिक सुख स्थायी है। सुंदर आचरण से हम बुरे आचरण को समाप्त कर सकते हैं। काम, क्रोध, लोभ और मोह को नष्ट करके नरक गमन से बच सकते हैं।

9. 'नीति श्लोकाः पाठ में मूढ़चेतानराधम किसे कहा गया है ?

उत्तर- जिन व्यक्तियों का स्वाभिमान मरा हुआ होता है, जो बिना बुलाए किसी के यहाँ जाता है, बिना कुछ पूछे बक-बक करता है। जो अविश्वसनीय पर विश्वास करता है ऐसा मूर्ख हृदयवाला मनुष्यों में नीच होता है। अर्थात् ऐसी ही व्यक्ति को 'नीतिश्लोकाः' पाठ में मूढचेतानराधम कहा गया है।

10. 'नीति श्लोका' पाठ के आधार पर मनुष्य के षड् दोषों का हिन्दी में वर्णन करें।

उत्तर- मनुष्य के छः प्रकार के दोष निद्रा, तन्द्रा, भय, क्रोध, आलस्य तथा दीर्घसूत्रता ऐश्वर्य प्राप्ति में बाधक बनने वाले होते हैं। नीतिकार का कहना है कि जिसमें ये दोष पाए जाते हैं वह चाहते हुए भी सुख की प्राप्ति नहीं कर सकता है, क्योंकि अधिक निद्रा के कारण वह कोई काम समय पर नहीं कर पाता है तो तन्द्रावश हर काम में पीछे रह जाता है। भय अर्थात डर के कारण काम आरंभ नहीं करता है तो क्रोध के कारण बना काम भी बिगडता है। इसी प्रकार आलस्य के कारण समय का दुरुपयोग होता है तो दीर्घसूत्रता अथवा काम को कल पर छोड़ने के कारण काम का बोझ बढ़ जाता है । फलतः वह जीवन के हर क्षेत्र में पीछे रह जाता है।

IMPORTANT OBJECTIVE QUESTION

1. 'नीतिश्लोकाः पाठ किससे संकलित है?

(A) चाणक्यनीति

(B) भासनीति

(C) कृष्णनीति

(D) विदुर नीति

Ans – (D)

2. 'नीतिश्लोकाः पाठ किस ग्रंथ से लिया गया है?

(A) महाभारत

(B) रामायण

(C) काव्यमीमांसा

(D) मेघदूतम्

Ans – (A)

3. 'नीतिश्लोकाः पाठ के रचनाकार कौन हैं?

(A) अर्जुन

(B) भीष्म

(C) विदूर

(D) कर्ण

Ans – (C)

4. 'नीतिश्लोकाः पाठ में कितने श्लोक है?

(A) 5

(B) 10

(C) 8

(D) 6

Ans – (B)

5. विदूर किसके प्रश्नों का उत्तर देता है?

(A) दुर्योधन

(B) भीष्म

(C) कृष्ण

(D) धृतराष्ट्र

Ans – (D)

6. विदुर कौन था?

(A) राजा

(B) मंत्री

(C) सैनिक

(D) सेनापति

Ans – (B)

7. 'विदुरनीति' के रचनाकार कौन हैं?

(A) चाणक्य

(B) मनु

(C) वाल्मीकि

(D) विदूर

Ans – (D)

8. 'विदुरनीति' किस ग्रंथ का अंश विशेष है?

(A) रामायण का

(B) महाभारत का

(C) उपनिषद् का

(D) वेद का

Ans – (B)

9. विनय को कौन मारता है?

(A) सुकीर्ति

(B) अपकृति

(C) अकीर्ति

(D) अनाकीर्ति

Ans – (C)

10. कैसे पुरुष सभी जगह सुलभ होते हैं?

(A) सत्यवादी

(B) कटुवादी

(C) प्रियवादी

(D) यथार्थवादी

Ans – (C)

11. बिना बुल्दार कौन आता है

(A) सज्जन

(B) दुर्जन

(C) मूर्ख

(D) इनमें से कोई

Ans – (C)

12. सभी जीवों सत्य को जाननेवाला कौन है?

(A) पण्डित

(B) राजा

(C) मंत्री

(D) छात्र

Ans – (A)

13. बिना पूछे बोलने वाला कौन होता है?

(A) मूर्ख

(B) विद्वान

(C) राजा

(D) मंत्री

Ans – (A)

14. काम, क्रोध और लोभ किसके द्वार है?

(A) स्वर्ग

(B) नरक

(C) विद्यालय

(D) गाँव

Ans – (B)

15. धर्म की रक्षा किससे होती है?

(A) सत्य से

(B) विद्या से

(C) वृत्ति से

(D) इनमें से किसी से नहीं

Ans – (A)

16. नरक के कितने द्वार हैं?

(A) तीन

(B) दो

(C) एक

(D) चार

Ans – (A)

17. 'विनय' किसको मारता है?

(A) यश

(B) अपयश

(C) क्षमा

(D) शत्रु

Ans – (B)

18. 'सुख' किसे कहा गया है?

(A) हिंसा

(B) क्रोध

(C) अहिंसा

(D) क्षमा

Ans – (C)

19. कुल (वंश) की रक्षा किससे होती है?

(A) रूप

(B) योग

(C) चरित्र

(D) समाज

Ans – (C)

20. कौन सबसे श्रेष्ठ है?

(A) विद्या

(B) क्रोध

(C) योग

(D) धर्म

Ans – (D)

21. दोष कितने है?

(A) चार

(B) छः

(C) पाँच

(D) तीन

Ans – (B)

22. घर की लक्ष्मी कौन है?

(A) धन

(B) स्वर्ण

(C) स्त्रियाँ

(D) पिता

Ans – (C)

23. पराक्रम से किसका नाश होता है?

(A) अनर्थ

(B) अर्थ

(C) क्रोध

(D) सत्य

Ans – (A)

24. सुंदर आचरण से किसका नाश होता है?

(A) धन

(B) कुलक्षण

(C) सत्य

(D) अनर्थ

Ans – (B)

25. किसकी रक्षा विशेष रूप से होनी चाहिए?

(A) क्रोध

(B) धन

(C) स्त्रियाँ

(D) शत्रु

Ans – (C)

26. धृतराष्ट्र किससे प्रश्नोत्तर करता है?

(A) भीष्म

(B) विदूर

(C) कृष्ण

(D) दुर्योधन

Ans – (B)

27. प्रश्नोत्तर के रूप में कौन ग्रंथ है?

(A) रघुवंश

(B) अलसकथा

(C) विदूर नीति

(D) भारत महिमा

Ans – (C)

28. उत्तम शांति क्या है?

(A) सत्य

(B) क्षमा

(C) विद्या

(D) लक्ष्मी

Ans – (B)

29. 'नराधम' किस पर विश्वास करता है?

(A) अविश्वासी

(B) विश्वासी

(C) मित्र

(D) राजा

Ans – (A)

30. विद्या की रक्षा किससे होती है?

(A) सत्य

(B) असत्य

(C) क्षमा

(D) योग

Ans – (D)

31. सभी प्राणियों को जानने वाला कौन होता है ?

(A) मूर्ख

(B) पण्डित

(C) राजा

(D) शिष्य

Ans – (B)

32. क्षमा किससे मारता है ?

(A) अक्रोध

(B) असल्य

(C) क्रोध

(D) मित्र

Ans – (C)

33. मृजया (उबटन) से किसकी रक्षा होती है?

(A) रूप

(B) यश

(C) सत्य

(D) क्रोध

Ans – (A)

34. 'नीतिश्लोकाः' पाठ के आधार पर अविश्वासी पर विश्वास कौन करता है ?

(A) अधम

(B) पण्डित

(C) मध्यम

(D) उत्तम

Ans – (A)

35. 'सुखावहा' क्या है ?

(A) धर्मः

(B) अहिंसा

(C) विद्या

(D) क्षमा

Ans – (B)

36. नीतिश्लोकाः' पाठ महाभारत के किस पर्व से संकलित हैं?

(A) वन पर्व

(B) उद्योग पर्व

(C) शांति पर्व

(D) भीष्म पर्व

Ans – (B)

37. महाराज धृतराष्ट्र के प्रश्नों का समुचित उत्तर कौन देते हैं?

(A) मंत्री विदुर

(B) दुर्योधन

(C) अर्जुन

(D) कृष्ण

Ans – (A)

38. 'अपृष्टो बहुभाषते' किस पाठ की उक्ति है?

(A) नीतिश्लोकाः

(B) मन्दाकिनीवर्णनम्

(C) अलसकथा

(D) मंगलम्

Ans – (A)

39. परम तृप्ति देने वाली क्या है?

(A) विद्या

(B) लोभ

(C) क्रोध

(D) दीर्घसूत्रता

Ans – (A)

40. अपनी उन्नति चाहने वालों को कितने दोषों को त्याग देना चाहिए?

(A) सात

(B) छः

(C) पाँच

(D) आठ

Ans – (B)

41. रूप की रक्षा किससे होती है?

(A) सत्य से

(B) योग से

(C) मृजया से

(D) वृत्ति से

Ans – (C)

42. आचार का हनन किससे होता है?

(A) अलक्षण

(B) सुलक्षण

(C) काम

(D) क्रोध

Ans – (A)